**भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, रायपुर मण्डल, रायपुर, छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनांक 12-02-2019 से 18-02-2019 तक राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के उपलक्ष्य में दिनांक 12-02-2019 को उत्पादकता दिवस मनाने हेतु बैठक का अयोजन से संबन्धित रिपोर्ट**

**भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण निदेशालय, नई दिल्ली के ई-मेल दिनांक 21-01-2019 के जरिये दिनांक 12-02-2019 से 18-02-2019 तक उत्पादकता सप्ताह के उपलक्ष्य में उत्पादकता दिवस मनाये जाने हेतु, डॉ मनोज कुमार कुर्मी, अधीक्षण पुरातत्त्वविद (प्रभारी) की अध्यक्षता में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, रायपुर मण्डल, रायपुर के सभाकक्ष में दिनांक 12-02-2019 को एक बैठक का अयोजन किया गया । कार्यालय में कार्यरत सभी उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारिओं ने बैठक में उत्साह पूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय के द्वारा "उत्पादकता एवं स्थिरता हेतु अर्थव्यवस्था" विषय पर विभिन्न उदाहरण जैसे कम व्यय में ज्यादा उत्पादन का लक्ष्य रखना, उपयोग की गई सामग्री को पुनः उपयोग करने का प्रयास करना आदि, के साथ व्याख्यान दिया। व्याख्यान के दौरान उन्होने इन पर प्रभाव डाला कि उत्पादकता में मूल्य सृजन और कार्य की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आधुनिक तरीकों, उपयुक्त तकनीकों, पर्याप्त विनिर्माण प्रक्रिया, बेहतर सामग्री आदि को लागू किया जा सकता है। इसके अलावा, उपस्थित अन्य सदस्यो के द्वारा भी संक्षिप्त भाषण दिया गया। इस संबंध में कुछ तस्वीरें संलग्न हैं।**

**REPORT OF A MEETING ORGANIZED ON 12-02-2019 TO CELEBRATE PRODUCTIVITY DAY ON THE OCCASION OF NATIONAL PRODUCTIVITY WEEK FROM 12-02-2019 TO 18-02-2019 BY ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA, RAIPUR CIRCLE, RAIPUR, CHHATTISGARH**

**In pursuance of Archaeological Survey of India Directorate, New Delhi E-mail dated 21-01-2019, a meeting was organized to celebrate the Productivity Day on 12-02-2019 on the occasion of Productivity Week from 12-02-2019 to 18-02-2019, under the Chairmanship of Dr Manoj Kumar Kurmi, Superintending Archaeologist (In-charge), in the Conference Hall of Archaeological Survey of India, Raipur Circle, Raipur. In the meeting all the officers and under officers working in the office, took active part. In the meeting the Chairman delivered lecture on the topic of "Economy for Productivity and Systainability" by giving various exemples such as to keep aim for more production by minimum expenditure, try to re-using of waste materials etc. During explaining he also stressed upon the point that in order to increase value creation and quality of work adopting modern methods, appropriate technologies, using more efficient manufacturing processes, better materials etc. can be implemented. Besides this, the other members present in the meeting also delivered brief description on the matter. In this regard some photographs are enclosed.**

.....o00o.....